समायोजन का अर्थ एवं परिभाषा
(Meaning and Definition of Adjustment)

मानव शरीर को बनाये रखने के लिये कुछ चीजें आवश्यक होती हैं। इनके अभाव, कमी या अनुपस्थिति को व्यक्ति की आवश्यकता कहते हैं, जैसे शारीरिक जीवन को बनाये रखने के लिये भोजन आवश्यक है। भोजन के अभाव में शरीर को अधिक समय तक जीवित नहीं रखा जा सकता, इसलिये जब शरीर में भोजन का अभाव हो जाता है तो व्यक्ति को भोजन की आवश्यकता होती है। मनुष्य की आवश्यकतायें मुख्य रूप से दो प्रकार की होती हैं—(1) शारीरिक आवश्यकतायें और (2) मानसिक या सामाजिक आवश्यकताएँ। भूख, प्यास, नींद, कामवासना, मल-मूत्र त्याग आदि शारीरिक आवश्यकताएँ हैं और सुरक्षा, स्वतंत्रता, सामाजिक प्रतिष्ठा, स्नेह, प्रशंसा, धन-दौलत आदि मानसिक या सामाजिक आवश्यकताएँ हैं। जब मनुष्य की इन आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं होती तो वह बेचैन हो जाता है और उसमें तनाव पैदा हो जाता है। इन आवश्यकताओं की पूर्ति हो जाने पर व्यक्ति सहज हो जाता है और उसका तनाव भी समाप्त हो जाता है। लेकिन वातावरण की जटिल परिस्थितियों में जब व्यक्ति की आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो पाती, उसकी इच्छाएँ सन्तुष्ट नहीं हो पातीं तो उसमें निराशा, असन्तोष और कुंठाएँ पैदा हो जाती हैं। उसमें संवेगात्मक असन्तुलन आ जाता है। इनको दूर करने के लिये व्यक्ति बाधाओं को दूर करने का प्रयास करता है। यदि उसके प्रयत्न सफल होते हैं तो वह ***अपनी परिस्थिति या वातावरण के साथ अपना तालमेल स्थापित करने में सफल हो जाता है, इसी को समायोजन करना कहा जाता है।*** इसके विपरीत, यदि व्यक्ति बाधाओं को दूर करने में असमर्थ रहता है और अवांछनीय रास्ते पर चलने लगता है तो उसमें कुसमायोजन या असमायोजन (Maladjustment) पैदा हो जाता है।

गेट्स और अन्य (Gates and Others) ने समायोजन की व्याख्या करते हुए कहा है, *"समायोजन शब्द के दो अर्थ होते हैं। प्रथम अर्थ में यह जीवन में निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने तथा वातावरण के बीच सन्तुलन सम्बन्ध बनाये रखने के लिये अपने व्यवहार में परिवर्तन करता है....दूसरे अर्थ में समायोजन व्यक्ति की एक सन्तुलित दशा है जिसके परिणामस्वरूप हम उस व्यक्ति को समायोजित व्यक्ति कहते हैं।"*

"The term 'adjustment' has two meanings. In one sense, it is a continuous process by which a person varies his behaviour to produce more a harmonions relationship between himself and environment..... . In the other sense, 'adjustment' is a state, i.e., the condition of harmony at by person whom we call well-adjusted."

Scanned with CamScanner

कोलमैन (Colmen)—*"समायोजन, किसी व्यक्ति के द्वारा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु तनाव की स्थिति से निपटने के लिए किये गए प्रयासों का परिणाम है।"*

"Adjustment is the outcome of the individual's efforts to deal with stress and meet his needs."

आइजनेक एवं अन्य (Eysenik and Others)—*"एक ऐसी अवस्था है जिसमें एक ओर व्यक्ति की आवश्यकताएँ तथा दूसरी ओर पर्यावरण सम्बन्धी दायों की पूर्ण संतुष्टि होती है अथवा यह वह प्रक्रिया जिसमें इन दोनों के मध्य सामंजस्य स्थापित हो जाता है।"*

"A state in which the needs of the individual in the one hand are fully satisfied or the process by which this harmonious relationship can be attained."

बोरिंग, लैंगफील्ड एवं वील्ड (Boring, Langfield and Weld)—*"समायोजन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा प्राणी अपनी आवश्यकताओं और इन आवश्यकताओं की पूर्ति को प्रभावित करने वाली परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखता है।"*

"Adjustment is the process by which a living organisms maintains a balance between its needs and the circumstances that influence the satisfaction of there needs."

Scanned with CamScanner